Fourteenth Loksabha

Session : 8
Date : 02-08-2006

Participants : Wagmare Shri Suresh Ganapat

>

Title : Need to issue directions to bank officers in distribution of package to farmers in Vidarbha, Maharashtra.

श्री सुरेश वाघमारे (वर्धा) : उपाध्यक्ष महोदय, माननीय प्रधान मंत्री जी ने विदर्भ के पैकेज में किसानों को ऋण के ब्याज की माफी की घोाणा की, किन्तु ब्याज माफी के निर्देशों में स्पटता न होने के कारण आज भी किसानों को समस्याओं से जूझना पड़ रहा है, जैसे किसानों के कर्ज वसूली के लिए जिन किसानों पर न्यायालय में मुकदमा चल रहा है, उन्हें आज भी ऋण नहीं मिल पा रहा है। जिन किसानों ने सिंचन व्यवस्था के लिए कर्ज लिया, ट्रैक्टर के लिए कर्ज लिया, जिन किसानों की वस्तु जब्ती में गई, उन किसानों के लिए आज भी कोई स्पट नीति दिखाई नहीं दे रही है जिस कारण बैंक अधिकारी भी असमंजस में हैं।

एक सर्वे में देखा गया था कि जिन किसानों ने खेती के साथ पूरक व्यवसाय जोड़े, जैसे दूध का उत्पादन और अन्य कोई व्यवसाय, उन किसानों ने आत्महत्याएं नहीं कीं। ऐसी स्थिति में पैकेज में दूध पैदा करने वाले जानवरों जैसे गाय और भैंस के लिए 75 प्रतिशत का ऐलान पैकेज में किया गया, लेकिन अधिकारियों की मनमानी के चलते किसानों की लूट हो रही है। इस पर सरकार का कोई नियंत्रण या ध्यान नहीं है। ऐसा कहा गया था कि इस बारे में सरकार की ओर से पूरा ध्यान दिया जाएगा, लेकिन प्रधान मंत्री के पैकेज के बारे में बोलने के बावजूद भी कुछ नहीं हो पा रहा है। इसलिए मैं सरकार से अनुरोध करता हूं कि विदर्भ के पैकेज के लिए जो घोाणा की गई थी, उसे तत्परता से लागू किया जाए।